

छलछलाना अ.क्रि. (अनु.) 1. आँखों में आँसू भर आना, आँखें भर जाना 2. छल-छल शब्द करना।

छलछाया पुं. (तत्.) कपट की छाया, मायाजाल, मृगतृष्णा।

छलछिद्र पुं. (तत्.) छल पूर्ण व्यवहार, धूर्तता का व्यवहार, कपटपूर्ण व्यवहार।

छलन पुं. (देश.) छल करने का भाव।

छलना अ.क्रि. (तत्.) धोखा देना, भ्रम में डालना, ठगी करना स्त्री. (तत्.) कपट, भ्रम में रखना।

छलनी स्त्री. (तद्.) महीन कपड़ा या छेद दार जाली का उपकरण, आटा छानने की चालनी मुहा. छलनी कर देना- जर्जर कर देना, छेदों से भर देना; छलनी हो जाना- बेकार हो जाना, वस्तु में बहुत छेद हो जाना; छलनी में डाल छाज में उडाना- बात का बतंगड़ बनाना, थोड़े दोष को बढ़ाकर कहना; कलेजा छलनी होना- निरंतर कष्ट से जी ऊब जाना।

छलविद्या स्त्री. (तत्.) माया जाल, जादू, इंद्रजाल।

छलाँग स्त्री. (देश.) चौकड़ी, कुदान, फलाँग, पैरों को दूर तक फेंक कर वेग के साथ आगे बढ़ने का कार्य।

छलाँगना अ.क्रि. (देश.) चौकड़ी भरना, कूद-फाँदकर आगे बढ़ना, छलाँग मारना।

छला पुं. (देश.) उँगली में पहनने का गहना या छल्ला स्त्री. कांति, दिव्यता, चमक, द्युति।

छलाना स.क्रि. (देश.) छलावा देना, ठगी करवाना, प्रतारणा देना।

छलावा पुं. (देश.) 1. भूत-प्रेत का भय या आतंक 2. जंगल में दिखाई देने वाला क्षणिक प्रकाश 3. इंद्रजाल, जादू।

छलिक पुं. (तत्.) नाट्यशास्त्र के अंतर्गत रूपकों का एक प्रकार।

छलित वि. (तत्.) किसी के द्वारा धोखा दिया गया, छल प्रपंच में फँसा, किसी की वंचना से प्रताड़ित।

छलिया वि. (तद्.) कपटी, धोखेबाज, छल-प्रपंच करने वाला, धोखा देने वाला, जिसका व्यवहार कपटपूर्ण हो।

छली वि. (तत्.) प्रतारक, प्रपंची, कपटी।

छल्ला पुं. (देश.) 1. किसी धातु के तार से बनी सामान्य अंगूठी जो हाथ या पैर की उंगली में पहनी जाए, मुद्रिका, बिछिया या बिछुआ 2. उंगलियों में पहनने के धातु से बनी अंगूठी नुमा गोल चीज 3. कच्ची दीवार की रक्षा के लिए उससे सटाकर बनाई गई पक्की दीवार 4. पंजाबी गीत या तुकबंदी।

छल्ली स्त्री. (तत्.) वृक्ष की छाल, त्वचा 2. लता 3. विशेष प्रकार का फूल।

छल्लेदार वि. (देश.) 1. छल्ले वाला गोलाकार चिह्न वाला, जिसमें घेरे हो 2. घुंघराला (बालों के लिए)।

छवाई स्त्री. (देश.) 1. किसी छप्पर को घास-फूस से छाने का काम 2. छाने का पारिश्रमिक या मजदूरी।

छवाना स.क्रि. (देश.) घेर. छप्पर आदि छाने का काम करना।

छवि स्त्री. (तत्.) 1. सुंदरता, चमक, आभा, शोभा 2. सुंदर, चमड़ी 3. त्वचा का रंग 4. तेज, प्रकाश, रश्मि स्त्री. (अर.) आकृति, चित्र, फोटो, प्रतिकृति।

छवैया पुं. (देश.) छाने वाला, जो छप्पर आदि छाने का काम करे।

छहरना अ.क्रि. (देश.) फैलाना, छिटकना।

छहराना स.क्रि. (देश.) 1. फैलाना, छिटकाना 2. राख कर देना, जला देना।

छहरीला वि. (देश.) 1. छरहरा, हल्का 2. फुर्तीवाला, क्रियाशील 3. बिखरने वाला।

छांदस वि. (तद्.) 1. छंदःशास्त्र का ज्ञाता, वेदज्ञ या वैदिक ब्राह्मण 2. पिंगलशास्त्र संबंधी 3. मूर्ख पुं. (तत्.) 1. वेद विद्या 2. वेद में निपुण।